



समक्ष : न्यायालय माननीय राजस्व मण्डल म.प्र.ग्वालियर

प्र.कं. -II/2016/निगरानी

निग-2600-I-16

श्री दिवाकर हीराल बंजि.  
4-8-16 को  
वृत्त  
4-8-16  
जज ऑफ को.  
राजस्व मण्डल म.प्र. ग्वालियर

4/8/16  
दिनांक प्रकृत (105)

- 1-जण्डेल सिंह पुत्र रोशन सिंह रावत
- 2-विमल पुत्र रामजीलाल रावत
- 3-महाराज सिंह पुत्र रोशन रावत
- 4-भंवरसिंह पुत्र रोशन सिंह रावत  
निवासीगण ग्राम चोरेका हाल निवासी बीरपुर  
तह.बीरपुर जिला श्योपुर म.प्र.
- 5-बंटी पुत्र नारायण रावत
- 6-जयराम पुत्र प्रभू रावत
- 7-बिश्राम पुत्र प्रभू रावत
- 8-शिवराम पुत्र प्रभू रावत
- 9-रामू पुत्र प्रभू रावत
- 10-गंगा बेवा बाबु रावत  
सभी निवासीगण ग्राम चोरेका तह.बीरपुर हाल  
निवासी ग्राम लाडपुरा तह.सबलगढ जिला मुरैना  
.....निगरानीकर्तागण/आवेदकगण  
बनाम

म.प्र.शासन

.....गैरनिगरानीकर्ता/अनावेदक

निगरानी अंतर्गत म.प्र.भू.रा.सं.1959 की धारा-50 विरुद्ध  
न्यायालय श्रीमान अपर कलेक्टर महोदय जिला श्योपुर के  
प्र.कं. 13/2010-11/स्व.निगरानी में पारित आदेश दिनांक  
20.02.2013

माननीय महोदय,

आवेदक की ओर से निम्न निगरानी पेश है:-

निगरानी के सक्षिप्त सार इस प्रकार है:-

यह कि आवेदकगण कृषि कार्य करने वाले पिछडा वर्ग के कृषक है।  
आवेदकगणों ने अपने समीपस्थ ग्राम चोरेका तह. बीरपुर जिला श्योपुर में  
परिवार के पालन पोषण हेतु बेहड भूमि को अपनी शारीरिक मेहनत एवं पैसे  
खर्च करके कृषि योग्य बनाया तथा उस पर काबिज होकर खेती करते हुए

कमंश:.....2

न्यायालय राजस्व मण्डल, म० प्र०, ग्वालियर

अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

प्रकरण क्रमांक निगरानी 2644-एक/2016 जिला-श्योपुर .

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिमाकों आदि के हस्ताक्षर
2.19	<p>आवेदक के अधिवक्ता श्री दिवाकर दीक्षित उपस्थित। आवेदक अधिवक्ता के तर्क सुने तथा प्रकरण में संलग्न दस्तावेजों का अध्ययन किया। अध्ययन से प्रतीत होता है कि इस न्यायालय में आवेदक अधिवक्ता द्वारा अपर कलेक्टर जिला श्योपुर के प्रकरण क्रमांक 13/2010-11/स्व० निगरानी में पारित आदेश दिनांक 02/02/13 के विरुद्ध म० प्र० भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा-50 के अन्तर्गत प्रस्तुत की गई है।</p> <p>2- म० प्र० भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 50 में वर्ष 2018 में किये गये संशोधन प्रभावी दिनांक 25.9.18 के अनुसार संहिता की धारा 50 (2) इस प्रकार है:-</p> <p>धारा-50 (2) पुनरीक्षण के लिये कोई आवेदन-</p> <p>(ख) इस संहिता के अधीन प्रथम निगरानी में पारित किसी अंतिम आदेश के विरुद्ध ग्रहण नहीं किया जावेगा।</p> <p>3-परिणामस्वरूप इस न्यायालय में संचालित नहीं होने के कारण प्रकरण अपर आयुक्त चंबल संभाग मुरैना के न्यायालय में स्थानांतरण किया जाता है तथा पक्षकार दिनांक 15/04/19 को उपस्थित हों।</p> <p>पेशी दिनांक 15/4/19</p> <p><u>अपर आयुक्त चंबल संभाग मुरैना</u></p>	